नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

# महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.....  दिनांक : 17.12.2021

## प्रकाशनार्थ

मैं मरने नहीं वरन आजाद भारत में पुनर्जन्म लेने जा रहा हूँ। यह शब्द अमर शहीद राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी के हैं। 17 दिसंबर 1927 की भोर में फांसी से पहले व्यायाम कर रहे राजेंद्र नाथ लाहिड़ी से जब जेलर ने सवाल किया तो उन्होंने पलटकर यह बात कही थी। इसके साथ ही वंदे मातरम की गूंज के साथ देश की आजादी के लिए उन्होंने फांसी का फंदा चूम लिया। लाहिड़ी आज भी युवाओं के हृदय पर छाए हुए हैं।

उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूषण गोरखपुर के प्रार्थना सभा के अन्तर्गत युवा क्रान्तिकारी **राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी** बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य **श्री विनय कुमार सिंह** ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि देश को अंग्रेजों की हुकूमत से मुक्त कराने के लिए जान की बाजी लगाने वाले राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी का जन्म 19 जून, 1901 को पश्चिम बंगाल के पावना जिले के मोहनपुर गांव में हुआ था। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान ही वह आजादी की लड़ाई में जुट गए। 9 अगस्त, 1925 को काकोरी के पास **राम प्रसाद बिस्मिल, नवाब अशफाक उल्ला खाँ** के साथ लहिड़ी ने मिलकर ट्रेन से जा रहे भारतीयों के खून पसीने से संचित सरकारी खजाने को लूट लिया था। बाद में उन्हें गोंडा जेल में फाँसी की सजा सुनाई गई थी। आज भी गोंडा जिला जेल के फाँसीघर में उनकी समाधि है। आज के दिन प्रतिवर्ष इस महान व युवा देशभक्त की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसे वीर सपूत की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

**सुबोध कुमार मिश्र**
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी